भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1054

जिसका उत्तर 10 फरवरी, 2023 को दिया जाना है।

21 माघ, 1944 (शक)

भारत में लाई-फाई प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया जाना

1054. श्री एस. निरंजन रेड्डी :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा भारत में लाईफाई प्रौद्योगिकी, जो डेटा संचारित करने के लिए प्रकाश का उपयोग करती है, को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने देश के सभी क्षेत्रों में इसकी व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए कोई परीक्षण कराया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) और (ख): लाईफ़ाई एक ऐसी तकनीक है जिसकी भारत में बड़ी संभावनाएं हैं। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (आईआईआईटी दिल्ली) और शिक्षा और अनुसंधान नेटवर्क इंडिया (अर्नेट इंडिया) एमईआईटीवाई के तहत एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसाईटी को "ग्रामीण और शहरी संचार हेतु ऑप्टिकल वायरलेस एक्सेस नेटवर्क" नामक शीर्षक वाली एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना को वित्तपोषित किया है। इस परियोजना के तहत, इनडोर ब्रॉडबैंड अभिगम के लिए हाइब्रिड लाईफ़ाई-वाईफ़ाई प्रणाली और एक प्रयोगशाला वातावरण में लाईफ़ाई रिसीवर के रूप में सौर-पैनलों पर प्रायोगिक कार्य किया गया है। इसके अलावा, आईआईटी दिल्ली ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा वित्त पोषित 5 जी टेस्टबेड परियोजना के भाग के रूप में एक पॉइंट-टू-पॉइंट लाईफ़ाई प्रणाली विकसित की है और इसे प्रदर्शित किया है। एक प्रयोगशाला वातावरण में इनडोर ब्रॉडबैंड अभिगम के लिए हाइब्रिड लाईफ़ाई-वाईफ़ाई परीक्षण किए गए हैं।

******